

भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा

लखत प्रश्न सं. 1427

गुरुवार, 28 जुलाई, 2022/06 श्रावण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन उद्योग के लिए चुनौतियां

1427. डा. सोनल मान सिंह:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क:

- (क) क्या देश में पर्यटन उद्योग को अपराध संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और क्या इसका देश में आने वाले पर्यटकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है; और
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) और (ख): वदेशी पर्यटकों सहित पर्यटकों की सुरक्षा एवं संरक्षा उन सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारकों में से एक है जो किसी भी देश के पर्यटन को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि देश में पर्यटकों के प्रति अपराध/धोखाधड़ी की छिटपुट घटनाएँ हुई हैं तथा पर्यटकों के आगमन में निरंतर वृद्धि हुई है। यह देश में घरेलू पर्यटक यात्राओं और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन से संबंधित पछले तीन वर्ष (कोविड-19 से पहले) के डाटा से स्पष्ट होता है जो नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	मानदंड	2017	2018	2019
1.	घरेलू पर्यटक यात्राओं की संख्या (मिलियन)	1657.6	1854.9	2321.98
		(2.6%)	(11.9%)	(25.3%)
2.	भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन आगमन (मिलियन)	16.81	17.42	17.91
		(11.8%)	(3.7%)	(2.8%)

नोट: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े वार्षिक वृद्धि दर हैं।

वर्ष 2018-2020 के दौरान वदेशी पर्यटकों के वरुद्ध राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा पंजीकृत मामलों का ववरण अनुबंध में दिया गया है।

पर्यटन उद्योग के लए चुनौतियां के संबंध में दिनांक 28.07.2022 के राज्य सभा के ल खत प्रश्न सं. 1427 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में ववरण

वर्ष 2018-2020 की अवध में वदेशी पर्यटकों के प्रति कुल अपराधों के अंतर्गत राज्यसंघ राज्यक्षेत्र-वार पंजीकृत मामले (सीआर), आरोपपत्र दा खल कए गए मामले (सीसीएस), दोष सद्ध मामले (सीओएन), गरफ्तार व्यक्ति (पीएआर), आरोपत्र में शा मल व्यक्ति (पीसीएस) और दोष सद्ध व्यक्ति (पीसीवी)																			
क्र. सं.	राज्यसंघ राज्यक्षेत्र	2018						2019						2020					
		सी आ र	सी सीएस	सीओ एन	पीए आर	पीसी एस	पीसी वी	सी आ र	सी सीएस	सीओ एन	पीए आर	पीसी एस	पीसी वी	सी आ र	सी सीएस	सीओ एन	पीए आर	पीसी एस	पीसी वी
1.	आंध्र प्रदेश	3	4	1	5	7	1	9	7	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0
2.	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3.	असम	1	1	0	1	1	0	8	0	0	16	0	0	4	3	3	4	3	3
4.	बिहार	0	0	0	0	0	0	1	1	1	7	7	4	0	0	0	0	0	0
5.	छत्तीसगढ़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6.	गोवा	33	30	1	25	36	1	18	14	0	13	15	0	9	10	2	9	12	2
7.	गुजरात	3	3	0	11	11	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0
8.	हरियाणा	1	0	0	0	0	0	5	2	0	2	2	0	0	0	0	0	0	0
9.	हिमाचल प्रदेश	7	5	0	5	5	0	1	1	0	2	2	0	0	0	0	0	0	0
10.	झारखंड	0	0	0	0	0	0	3	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0
11.	कर्नाटक	15	11	2	73	63	2	8	7	1	18	14	1	8	5	1	11	11	1
12.	केरल	8	5	0	7	7	0	12	6	0	12	2	0	6	6	1	6	7	1
13.	मध्य प्रदेश	6	6	0	7	7	0	12	1	0	2	1	0	3	3	0	20	20	0
14.	महाराष्ट्र	45	19	1	58	22	1	28	16	0	27	24	0	13	5	0	21	5	0
15.	मणपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
16.	मेघालय	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
17.	मजोरम	1	1	0	4	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18.	नगालैंड	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
19.	उड़ीसा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
20.	पंजाब	4	1	0	1	1	0	10	3	1	4	4	1	1	0	0	1	0	0
21.	राजस्थान	18	6	1	9	9	1	14	4	1	6	6	1	3	2	1	2	2	1

22.	सक्किम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
23.	त मलनाडु	23	7	4	27	15	4	16	3	1	17	5	1	18	3	1	20	3	1
24.	तेलंगाना	1	1	0	1	1	0	1	1	0	6	2	0	5	6	1	6	6	1
25.	त्रिपुरा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
26.	उत्तर प्रदेश	62	32	0	49	39	0	18	12	0	23	24	0	3	1	1	1	1	5
27.	उत्तराखंड	1	1	0	1	1	0	2	2	0	2	2	0	4	4	0	6	7	0
28.	पश्चिम बंगाल	3	1	0	2	1	0	1	4	0	0	4	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	235	13	10	28	229	10	168	86	5	17	136	8	77	48	4	10	77	15
			4		6						0						7		
29.	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	3	1	0	8	1	0	3	1	0	5	1	0	0	2	0	5	7	0
30.	चंडीगढ़	2	1	0	2	1	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0
31.	दादर और नगर हवेली और दमन और दीव+	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
32.	दिल्ली	172	22	1	55	26	1	97	26	3	33	31	3	41	11	1	20	19	1
33.	जम्मू और कश्मीर*	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
34.	लद्दाख	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
35.	लक्षद्वीप	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
36.	पुदुचेरी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	177	24	1	65	28	1	100	28	3	38	33	3	42	14	1	25	27	1
		412	15	11	35	257	11	268	114	8	20	169	11	119	62	12	13	104	16
			8		1						8						2		

स्त्रोत: भारत में अपराध

नोट: '+' वर्ष 2018 तथा 2019 में पूर्ववर्ती दादरा एवं नागर हवेली संघ राज्यक्षेत्र और दमन एवं दीव संघ राज्यक्षेत्र का मश्रत डाटा

*' वर्ष 2018 तथा 2019 के दौरान पूर्ववर्ती जम्मू एवं कश्मीर राज्य का डाटा
